an>

Title: Need to provide compensation and construct temporary houses for the persons injured in the firing along Pakistan border in Jammu.

श्री जुगल किशोर : महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार ध्यान आए दिन जम्मू-कश्मीर में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर पाकिस्तान के द्वारा फायरिंग की जाती है और उस फायरिंग में काफी निर्दोष लोग शिकार बनते हैं। इसके साथ-साथ उनके पशुओं को भी निशाना बनाया जाता है और कई बार तो बम उनके घरों पर आ कर गिरते हैं। पिछले दिनों साम्बा और अखनूर एरिया में पाकिस्तान द्वारा की गयी फायरिंग में काफी नुकसान हुआ है। कोई भी ऐसी ठोस पॉलिसी बॉर्डर एरिया के लोगों के लिए नहीं है, जिससे उनको राहत मिल सके। हर बार फायरिंग होती है, लेकिन वह उसमें डटे रहते हैं। बिना हथियार के वह जम्मू-कश्मीर बॉर्डर पर एक प्रहरी की तरह डटे हैं। उन लोगों को राहत देने के लिए न तो जम्मू-कश्मीर सरकार की कोई पॉलिसी है और न ही केन्द्र सरकार की कोई पॉलिसी है। मैं आपके माध्यम से सरकार को यह बताना चाहता हूं कि जिस व्यक्ति के मकान पर जब कोई गोला गिरता है तो उसके परिवार का क्या हाल होता होगा? उनके पशु मारे जाते हैं। पिछले दिनों में अर्णिया में एक बच्चे को, जो कि चौक पर खड़ा था, टांग में आ कर गोली लगी। वहां हमेशा दहशत का माहौल बना रहता है। वहां से लोगों को शिफ्ट करने के लिए भी कोई अच्छा प्रावधान नहीं है। मेरी सरकार से यह मांग है कि वह उन लोगों के लिए कोई ऐसी बीमा योजना बनाए, जिसमें जब किसी को गोली लगती है या गोला किसी के घर में गिरता है या कोई मवेशी मरता है या किसी जान-माल का नुकसान होता है तो उसकी भरपायी की जा सके ताकि लोग बॉर्डर पर डटे रहें अन्यथा वहां से पलायन होना शुरू हो रहा है, जो कि सही नहीं है। मेरी आपके माध्यम से सरकार से प्रार्थना है कि जब भी किसी को गोली लगे या मकान पर गोला गिरे या मवेशी मारा जाए तो तुरन्त उसको राहत दी जानी चाहिए।